

25⁵/₂₃ पत्रावली पेय्य इपी। कोडि भी
उप० नाभी है। वादी व वादी के
वर्गील को आवाज लगाते वही कोडि भी
उप० नाभी अपे। वादी व वर्गील के
वर्गील वावणूद रचना आरु रहने से
पत्रावली अदम हाजये व अदम पेंरवी
में श्वादिज भी जाती है। पत्रावली फैलल
शुभार होकर नम्बर से कम है। वाक्
प्रति दाबिल दजलर है।